आधुनिक सुविधाएं...

प्रदेश के दस रीजनल आईटीआई बनेंगे स्मार्ट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

भोपाल. प्रदेश के दस रीजनल आईटीआई को स्मार्ट बनाया जा रहा है। इन पर प्रशिक्षण की आधुनिक सुविधाएं मौजूद रहेंगी। यह सुविधा संभाग स्तर के आईटीआई पर उपलब्ध होंगी। प्रोजेक्ट बजट का प्रावधान एवं मंजूरी मिल गई है। वित्त व्यवस्था होते ही इन सेंटरों को स्मार्ट बनाने का काम इसी साल से शुरू हो जाएगा। यह प्रोजेक्ट पांच साल में लगभग 2022 तक पूरा होने की संभावना है।

आधुनिक होंगे छात्रावास

इन आईटीआई पर प्रशिक्षण लेने वालों विद्यार्थियों को छात्रावास भी आधुनिक बनाए जाएंगे। इन छात्रावासों में लगभग 500 सीटें उपलब्ध होंगी। छात्रावासों में फिटनेस के लिए जिम की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। छात्रों को इंटरनेट की कनेक्टिविटी के लिए कैम्पस में फ्री वाईफाई एवं ई-लाइब्रेरी की सुविधा भी दी जाएगी।

ये होंगी सुविधाएं

संभाग स्तर पर आधुनिक बनाए जा रहे आईटीआई में स्मार्ट क्लास रूम, स्मार्ट ऑडिटोरियम, लैंग्वेज लैब, आईटी लैब, ई-लायब्रेरी, आधुनिक ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल, एनसीवीटी संबद्धीकरण, वाईफाई कैंपस, रिक्रीयेशनल सुविधाएं मौजूद रहेंगी।

प्रदेश के सभी दस संभागीय मुख्यालयों पर स्थित आईटीआई को आधुनिक बनाया जा रहा है। इन सेंटरों पर ई-लायब्रेरी और वाईफाई की सुविधाएं होंगी। यह पांच साल का प्रोजेक्ट है, सेंटरों को आधुनिक बनाने का काम बजट मिलते ही इसी साल शुरू किया जाएगा।